जापानी ट्रैक पर दौड़ेगी मेट्रो-3

Pankaj.Pandey
@Timesgroup.com

जापान से मुंबई पहुंचा 3615 मेट्रिक टन मेट्रो ट्रैक

अंडरग्राउंड मेट्रो का ट्रैक बिछाने का काम होगा जल्द शुरू

मुंबई : मुंबई की पहली अंडरग्राउंड मेट्रो जापानी ट्रैक पर दौड़ेगी। इसके लिए सागरीय मार्ग से जापान से करीब 3615 मेट्रिक टन ट्रैक मंगलवार को मुंबई पहुंचा। ट्रैक के मुंबई आने के साथ आगामी कुछ महीनों में ट्रैक बिछाने का काम शुरू कर दिया जाएगा। कोलाबा-बांद्रा-सीप्ज के बीच बन रहे 33.5 किलोमीटर लंबे अंडरग्राउंड मेट्रो मार्ग का काम तीव्र गति से चल रहा है। 33.5 किमी मार्ग के लिए अप और डाउन दिशा को मिला कर कुल 55 किमी लंबी टनल तैयार हो रही है। मेट्रो 3 कॉरिडोर के लिए मुंबई में जमीन से 20 से 25 मीटर नीचे टनल तैयार की जा रही है। पूरे मार्ग पर करीब 10,745 मैट्रिक टन ट्रैक का इस्तेमाल किया जाएगा। इसमें से पहली खेप के तहत मुंबई पोर्ट पर 3,615 मैट्रिक टन ट्रैक आ चुका है, जबकि इस वर्ष के अंत तक 7,125 मैट्रिक टन ट्रैक दो खेपों में मुंबई आएगा।

22% कम कंपन

मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमएमआरसीएल) के अनुसार, जापान से मुंबई आया यह ट्रैक विश्व का सबसे हाईटेक रेल ट्रैक है। हाई अटेन्यूएशन लॉ वाइब्रेशन ट्रैक सिस्टम तकनीक से बने इस ट्रैक का भारत में पहली बार मेट्रो 3 कॉरिडोर के लिए इस्तेमाल होगा। जो देश में उपयोग में आने वाले अन्य ट्रैक की तुलना में कम कंपन के साथ ट्रेन के गुजरने पर कम आवाज करेगा। एमएमआरसीएल के एमडी रणजीत सिंह देवल के अनुसार, यह ट्रैक अन्य ट्रैक की तुलना में अधिक सुरक्षित होने के साथ ही 20 से 22 वीडीबी कम कंपन करेगा।

83% टनलिंग का काम पूरा

55 किमी लंबे टनल में से करीब 83 प्रतिशत टनल तैयार हो गई है। पूरे मार्ग पर खुदाई का काम करीब 85 प्रतिशत तक हो चुका है। मार्ग के साथ ही स्टेशनों का काम भी तेजी से चल रहा है। एमआईडीसी स्टेशन का 71 प्रतिशत, मरोका नाका स्टेशन का 67 प्रतिशत, विधानभवन स्टेशन का 65 प्रतिशत और सीप्ज स्टेशन का काम का 58 प्रतिशत तक पूरा कर लिया गया है। पूरे प्रॉजेक्ट का करीब 56 प्रतिशत काम हो चुका है। एमएमआरसीएल ने ट्रैक बिछाने के काम के लिए लार्सन ऐंड टुब्रो लिमिटेड (एलऐंडटी कंस्ट्रक्शन) के साथ पहले ही करार कर लिया है।

28 टनल बनकर तैयार

33 किमी लंबे कॉरिडोर के मार्ग पर कुल 32 टनल तैयार होने हैं। टीबीएम मशीन की सहायता से 32 में से 28 टनल तैयार करने का काम पूरा हो चुका है। एमएमआरसीएल ने आगामी कुछ महीनों में टनल निर्माण का काम पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

> यह बहुत अच्छी तकनीक है। इस ट्रैक का इस्तेमाल भारत में पहली बार मेट्रो-3 कॉरिडोर में होगा। अन्य ट्रैक की अपेक्षा यह ट्रैक ज्यादा भरोसेमंद है।
> **-रणजीत सिंह देवल, एमडी (एमएमआरसीएल)**

2022 में दौड़ेगी मेट्रो

एमएमआरसीएल ने वर्ष 2022 तक मेट्रो 3 कॉरिडोर का निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। पूरे मार्ग पर दो चरणों में सेवा की शुरआत की जाएगी। पहले चरण के तहत आरे से बीकेसी और दूसरे चरण में पूरे मार्ग पर मेट्रो चलाने की योजना है। निर्धारित समय में सेवा आरंभ करने के लिए कोच का निर्माण कार्य भी शुरू कर दिया गया है। 33.5 किमी लंबे मार्ग पर कुल 26 स्टेशन होंगे। स्टेशनों को निजी संस्थानों से जोड़ने की योजन पर भी काम किया जा रहा है। कुछ स्टेशनों के परिसर को किराए पर देकर पैसे कमाने की भी योजना पर काम हो रहा है। मेट्रो 3 की सेवा शुरू के बाद लोकल ट्रेन की भीड़ और वेस्टर्न एक्सप्रेस-वे पर वाहनों की संख्या (हैवी ट्रैफिक) में कमी आएगी।